

बैंक के डिजिटल उत्पादों में हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं

bob
World

बॉब वर्ल्ड

बड़ौदा जेम्स
Baroda Gems
Credit & Empowerment Management System

बड़ौदा जेम्स

बीसी पोर्टल
BC Portal

बीसी पोर्टल



चेटबॉट



व्हाट्सएप बैंकिंग



शब्दनाद



पासबुक प्रिंटिंग



ट्रांजेक्शनल एसएमएस



एचआर कनेक्ट



बॉब अभिव्यक्ति

bob
World
Internet

बॉब वर्ल्ड इंटरनेट

शब्दनाद एक झलक

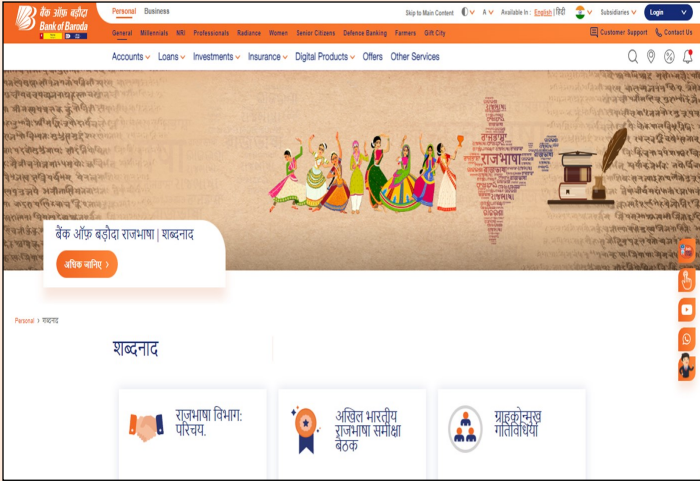


महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ III

“प्रगति केवल शिक्षा के प्रसार
से ही प्राप्त की जा सकती है।
कुछ भी प्राप्त करने के लिए
सहयोग आवश्यक होता है और
यह सहयोग प्रदान करने की
तैयारी लोगों में तब तक
नहीं होगी, जब तक वे
शिक्षित नहीं होंगे”

बैंक की वेबसाइट पर शब्दनाद का होम पेज

एक शताब्दी से भी अधिक अपनी यात्रा के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा इतिहास के कई महत्वपूर्ण युगों का साक्षी रहा है। बैंक ने व्यवसाय विकास के साथ-साथ हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं की समृद्धि की दृष्टि से लगातार पहलें करता रहा है।

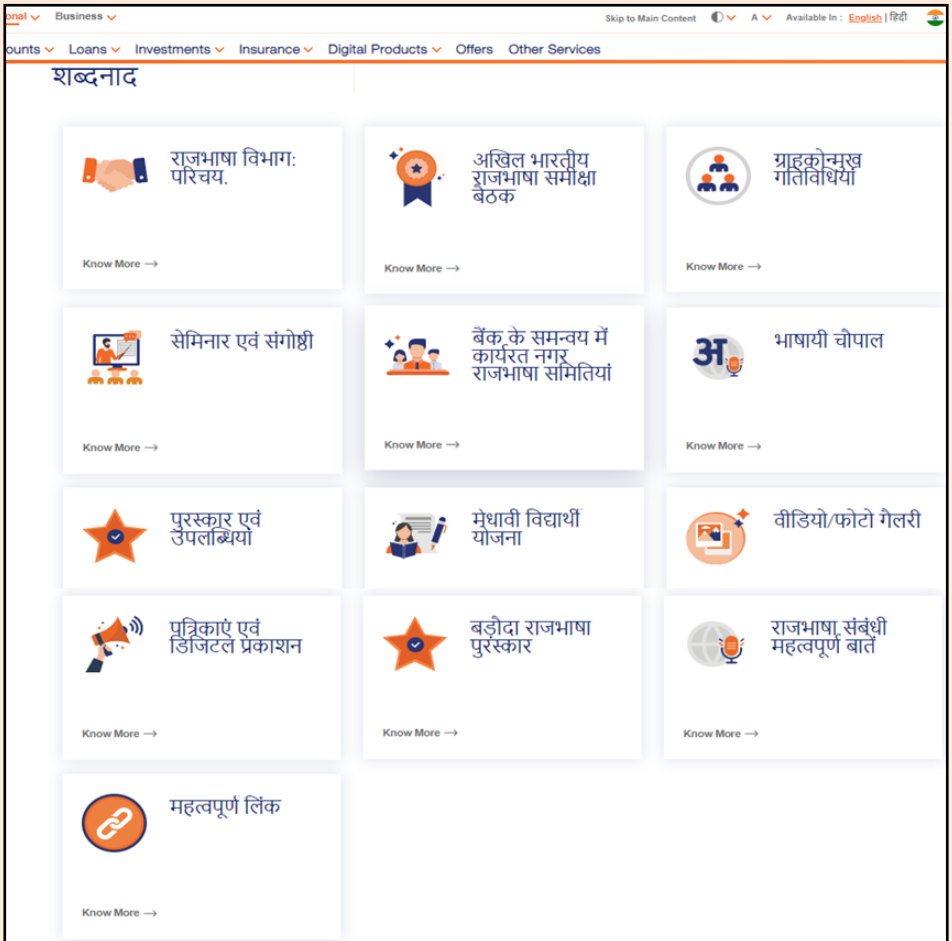


अपनी भाषाओं, खासकर राजभाषा हिंदी के प्रयोग में वृद्धि के संबंध में की गई पहलों की समृद्ध विरासत की विभिन्न कड़ियां जनसमुदाय की जानकारी के लिए आसानी से उपलब्ध हों इसके लिए यह जरूरी है कि बैंक की

ऐसी सभी पहलें और उपलब्धियां एक स्थान पर आसानी से सर्वसुलभ हों। इसी को ध्यान में रखते हुए बैंक के राजभाषा विभाग से संबंधित विस्तृत जानकारी और गतिविधियों की झलकियों का अभिलेख तैयार करने हेतु बैंक की वेबसाइट पर वेबपेज का शुभारंभ किया गया है। इस वेबपेज पर विभिन्न खंडों के माध्यम से बैंक के राजभाषा विभाग से संबंधित जानकारी एवं गतिविधियों का अभिलेख बैंक के स्टाफ-सदस्यों सहित जन सामान्य के लिए उपलब्ध कराया गया है। बैंक के इस अभिनव पहल से उपर्युक्त रिकॉर्ड डिजिटल रूप में स्थायी रूप में सहेजे जा सकेंगे जिसे कभी भी और कहीं भी एक्सेस एक क्लिक में एक्सेस किया जा सकता है।

बैंक की वेबसाइट पर शब्दनाद का होम पेज

बैंक की वेबसाइट पर तैयार वेबपेज विभिन्न खंड पर महत्वपूर्ण विवरण एवं गतिविधियों की झलक।



Business

Skip to Main Content

Available In: English | हिंदी

Accounts Loans Investments Insurance Digital Products Offers Other Services

शब्दनाद

राजभाषा विभाग: परिचय. Know More →

अखिल भारतीय राजभाषा समीक्षा बैठक Know More →

ग्राहकोन्मुख गतिविधियाँ Know More →

सेमिनार एवं संगोष्ठी Know More →

बैंक के समन्वय में कार्यरत नगर राजभाषा समितियाँ Know More →

भाषायी चौपाल Know More →

पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ Know More →

मेधावी विद्यार्थी योजना Know More →

वीडियो/फोटो गैलरी Know More →

पत्रिकाएं एवं डिजिटल प्रकाशन Know More →

बड़ौदा राजभाषा पुरस्कार Know More →

राजभाषा संबंधी महत्वपूर्ण बातें Know More →

महत्वपूर्ण लिंक Know More →

वेबपेज पर प्रस्तुत राजभाषा विभाग का परिचय

राजभाषा विभाग परिचय



राजभाषा विभाग: परिचय

एक सलाहदात्री से भी अधिक अपने कारगर में बैंक ऑफ बड़ोदा ने देव और समाज विज्ञान में हासिल उपलब्धियों और उपचायों के कई नमूने तय किए हैं। बैंक के इतिहास के पन्नों की पढ़ने से बैंक की यात्रा के हर पड़ाव पर एक नई मंजिल हासिल होती दिखती है। बैंक के संस्थापक महाराज सवाईराज महाराजका ने बैंक की स्थापना के साथ ही भारतीय बड़ोदा राज्य में बैंक, राज, कानून और अपनी नवाजी की तरफ से लिए दिशादर्शन कर्म किया। बैंक और बड़ोदा को बैंक के साथ से जुड़े संस्कार भी विरासत में मिले हैं। वास्तव में भारत है कि अपनी स्थापना के एक सलाहदात्री के बाद ही बैंक और बड़ोदा अपने निरपेक्षी मूल्यों से मजबूती से जुते हैं। महाराज ने सवाई भासा कोश की रचना करवाकर भाषा के प्रति अपने विवेक पोषण दिया। यह महाराज सवाईराज महाराजका। और उनके बाद बैंक के पूर्व प्रबंधक का कार्य-काम पर मानदियन का प्रयोग है।

बैंक ने राजभाषा कार्यक्रम के क्षेत्र में अपने उत्कृष्टतम योगदान को जारी रखा है। महाराज द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में लिए गए अतिथि योगदान को ओरो बढ़ाते हुए बैंक ने अपनी भाषायी यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण चरण हासिल किए हैं। वर्ष 1974 में बैंक में राजभाषा विभाग की स्थापना की गई। इसी वर्ष डॉ. सोहन चरण की नियुक्ति बैंक के प्रमुख उपस्थान अधिकारी के रूप में हुई। बैंक के राजभाषा विभाग की स्थापना के साथ बैंक के केंद्रीय कार्यक्रम में अग्रिम और क्षेत्रीय कार्यक्रम, राजभाषा और में भासा महारज की अध्यक्षता के अग्रतम राजभाषा कार्यक्रम की यात्रा आगे बढ़ी। एतदनुसार अनेक कार्यक्रमों में भी राजभाषा अधिकारियों की नियुक्ति का कार्य भी आगे बढ़ा। वर्ष 1984 में सहाय्य राजभाषा समिति की तैयारी एवं समिति ने बैंक के केंद्रीय कार्यक्रम, मुख्य का निर्वाह दौरा किया। समय के साथ बैंक में राजभाषा की गतिविधियाँ अतिवृद्धि भारतीय राज-का समय से जुड़ी थीं। वर्ष 1985 में बड़ोदा भारत में कार्यवाहकों के लिए पहली बार हिंदी कार्यवाहा का अद्यतन किया गया।

असली के दायर में बैंक की पूरा पहिचान बैंक और बड़ोदा नया का नाम बदलकर 'बैंक ऑफ बड़ोदा' रखा गया। बहिर्देशी आरंभ बैंकिंग जगत में पूरा पहिचान की श्रेणी में विशिष्ट स्थान बना चुकी है। यह बैंक के दायर सदस्यों के आनंदों के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता के विकास हेतु उन्हें एक समृद्धि और उपयोगी अवसरों प्रदान कर रही है। वर्ष 2004 में बैंक की तिमाही हिंदी पहिचान अद्यतन की शुरूआत की गई। इस पहिचान ने भी काफी काम समय में बैंकिंग और भासा जगत में अपनी विशिष्ट स्थान बनाई है। बैंक की इस पहिचान की सफलता के क्षेत्र में अग्रतम सकार के सहाय्य उपकरण के तहत वर्ष 2012 में हिंदी भाषी राजभाषा चौक और 2021 में महिला पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। इसके अलावा बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा भी पुरस्कृत किया गया है।

बैंक ने इस के जग समुद्रप दिशाचकर पूरा पीढ़ी के बीच संयंक्त भाषा हिंदी को लोकप्रिय बनाने साथ बैंक की स्थापित श्रंत को और अधिक विकसित करने और अंततः बैंक के अग्रतम विकार के उद्देश्य से बैंक के सलाहदात्री वर्ष 2007 से विभिन्न विधिद्वाराओं में मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने के लिए 'मेधावी मेधावी विद्यार्थी सम्मान' नामक योजना शुरू की है। योजना के तहत एच.ए. हिंदी की अतिवृद्धि एवं की पहिचान में विभिन्नद्वारा सार पर प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले पदवित्त विद्यार्थियों को प्रथम/द्वितीय पुरस्कार तथा प्रथम/द्वितीय बैंक सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा भी पुरस्कृत किया गया है।

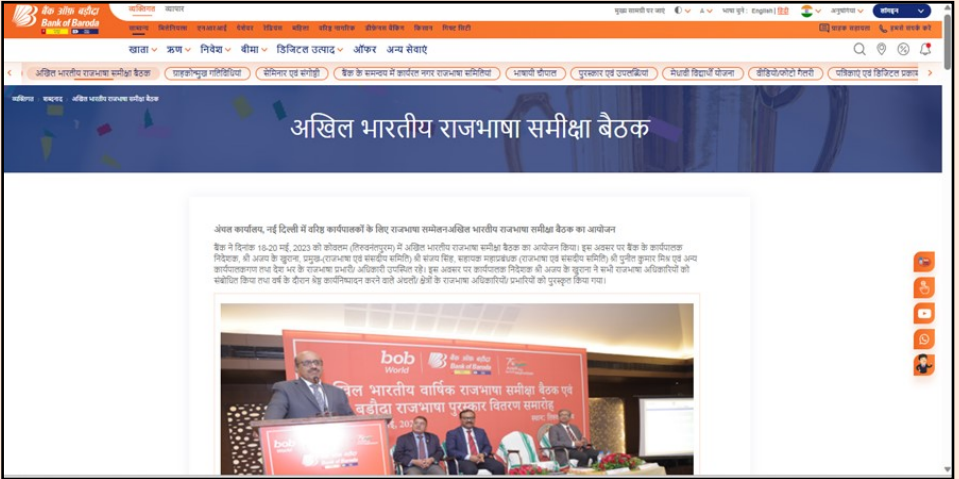
बैंक ने देव के जग समुद्रप दिशाचकर पूरा पीढ़ी के बीच संयंक्त भाषा हिंदी को लोकप्रिय बनाने साथ बैंक की स्थापित श्रंत को और अधिक विकसित करने और अंततः बैंक के अग्रतम विकार के उद्देश्य से बैंक के सलाहदात्री वर्ष 2007 से विभिन्न विधिद्वाराओं में मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने के लिए 'मेधावी मेधावी विद्यार्थी सम्मान' नामक योजना शुरू की है। योजना के तहत एच.ए. हिंदी की अतिवृद्धि एवं की पहिचान में विभिन्नद्वारा सार पर प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले पदवित्त विद्यार्थियों को प्रथम/द्वितीय पुरस्कार तथा प्रथम/द्वितीय बैंक सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा भी पुरस्कृत किया गया है।

बैंक ने भाषा के क्षेत्र में एक अतिवृद्धि शुरूआत करते हुए वर्ष 2015 में महाराज सवाईराज भासा सम्मान की शुरूआत की। इस पुरस्कार के तहत बैंक ने वर्ष 2015 में भी प्रथम अवधि की। वर्ष 2016 में भी अनुत्पन्न राणा, वर्ष 2017 में श्री सोहन सोहन, वर्ष 2018 में श्री अनुत्पन्न और वर्ष 2019 में सुनी कुला सिंह जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों को सम्मानित किया है। इसके अलावा बैंक ने लोकभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्टतम कार्य करने वाली हस्तियों को सम्मानित करने के लिए महाराज सवाईराज लोक भासा सम्मान की शुरूआत की है। इस योजना के तहत बैंक द्वारा वर्ष 2019 में परमेश्वरी गंगा देवी, वर्ष 2021 में भासाहिंदी श्री विक्रम चौधरी तथा वर्ष 2022 में परमेश्वरी अरुखी जैसी नामवनी हस्तियों को सम्मानित किया गया है।

बैंक ने सच को भविष्य की बैंकिंग के लिए पूरी तरह से तैयार रहने हेतु अपने उद्यमों को विविध, प्राकरोमुद्धी और डिजिटलद्वारा सार पर अत्यधिक ध्यान दिया है। बैंक ने डिजिटल श्रंतों को आसनात करते हुए साहकों को डिजिटल प्लेटफार्मों पर सभी सुविधाएं उन्मोदी भासा में उपलब्ध करवाने का उत्कृष्टतम प्रयास किया है जिसके अंतर्गत 'सेन्ट्रल सर्वोदी एएमएस, सहाय्य सर्वोदी बैंकिंग, शीव वॉल, इस्करे बैंकिंग, सहाय्य इस्करे सर्वोदी सुविधाओं में हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की है।

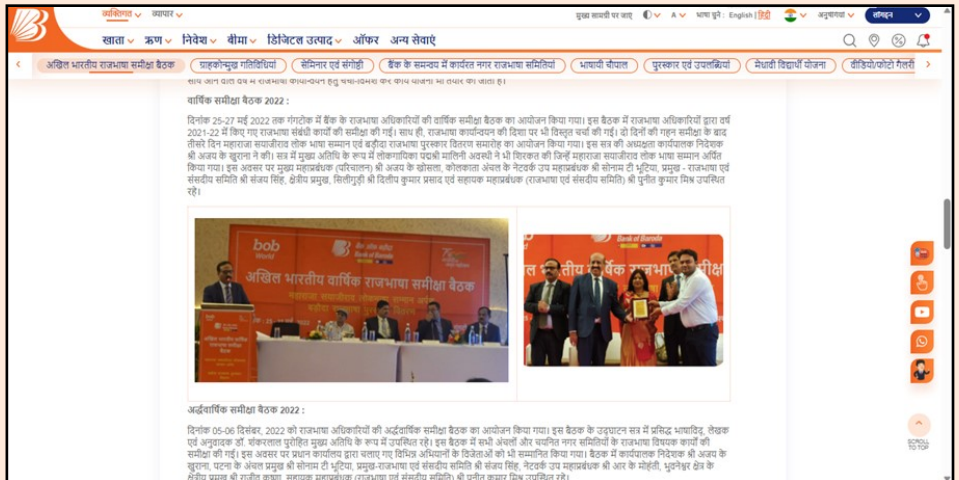
भासावी यात्रा को अग्रतम जारी रखते हुए बैंक द्वारा राष्ट्रीय स्तर का एक अग्रतम सम्मान स्थापित किया गया है जो केवल बैंकिंग उद्योग में बहिर्क राष्ट्रीय स्तर का एक अतिवृद्धि पुरस्कार है। बैंक ने भारतीय भासाओं में प्रकाशित उपस्थाओं के हिंदी संस्करण को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं में लेखन को भी बढ़ावा देने के लिए 'बैंक ऑफ बड़ोदा राजभाषा सम्मान' की शुरूआत की है। इस सम्मान की घोषणा बैंक के प्रथम निदेशक एवं मुख्य कार्यवाहाक अधिकारी श्री सोहन चरण द्वारा विधि 19 - 21 जनवरी, 2023 को जगपुर में आयोजित 'जगपुर रिस्करे फेडिलिटर के दौरान की गई।

अखिल भारतीय राजभाषा समीक्षा बैठक



अखिल भारतीय राजभाषा समीक्षा बैठक

अखिल भारतीय राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन बैंक ने दिल्ली में वीथी कार्यक्रमों के लिए राजभाषा समेकन-अखिल भारतीय राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में राजभाषा अधिकारियों द्वारा वर्ष 2021-22 में किए गए राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही, राजभाषा कार्यालय की दिशा पर भी विचार-वार्ता की गई, जो दिनों की तृप्त समिति के द्वारा तैयार की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में लोकप्रियता टचशी मालिनी अवरधी ने भी विशाल की विश्व मराठा समाजियर लोक भाषा समान अतिथि किया गया। इस अवसर पर मुख्य महानिदेशक (वारिकालन) श्री अजय के कोलता, कोलकाता अंचल के निदेशक एच महानिदेशक श्री योगेश डी भुटिया, प्रमुख - राजभाषा एवं संवैधानिक समिति श्री संजय सिंह, अशोक अग्रवाल, दिल्ली/गुजराती श्री विवेक कुमार अग्रवाल एवं सहकार महानिदेशक (राजभाषा एवं संवैधानिक समिति) श्री सुनील कुमार मिश्र उपस्थित रहे।



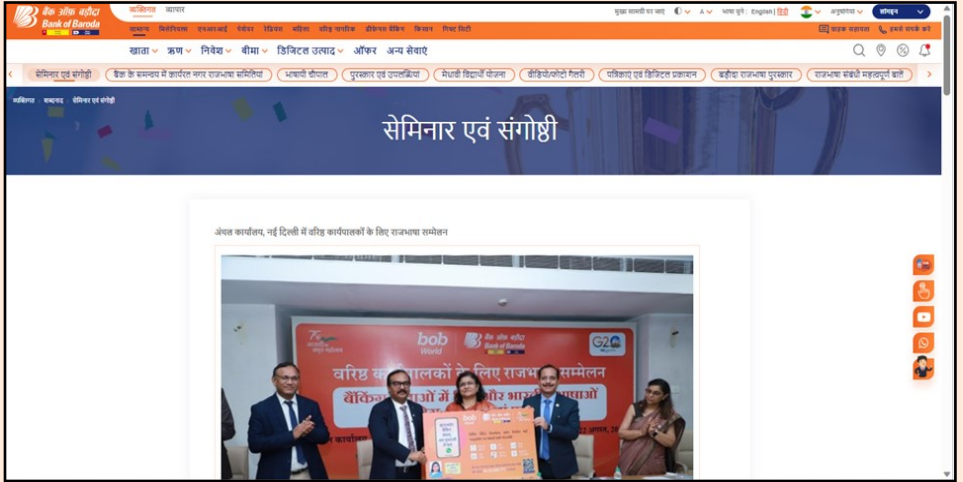
अखिल भारतीय राजभाषा समीक्षा बैठक

अखिल भारतीय राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन बैंक ने दिल्ली में वीथी कार्यक्रमों के लिए राजभाषा समेकन-अखिल भारतीय राजभाषा समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में राजभाषा अधिकारियों द्वारा वर्ष 2021-22 में किए गए राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही, राजभाषा कार्यालय की दिशा पर भी विचार-वार्ता की गई, जो दिनों की तृप्त समिति के द्वारा तैयार की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में लोकप्रियता टचशी मालिनी अवरधी ने भी विशाल की विश्व मराठा समाजियर लोक भाषा समान अतिथि किया गया। इस अवसर पर मुख्य महानिदेशक (वारिकालन) श्री अजय के कोलता, कोलकाता अंचल के निदेशक एच महानिदेशक श्री योगेश डी भुटिया, प्रमुख - राजभाषा एवं संवैधानिक समिति श्री संजय सिंह, अशोक अग्रवाल, दिल्ली/गुजराती श्री विवेक कुमार अग्रवाल एवं सहकार महानिदेशक (राजभाषा एवं संवैधानिक समिति) श्री सुनील कुमार मिश्र उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय राजभाषा समीक्षा बैठक 2022 :

दिनांक 05-06 दिसंबर, 2022 को राजभाषा अधिकारियों की अर्द्धवार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक के उद्घाटन सत्र में प्रमुख-भारतीय, वैदेशिक एवं आनुवंशिक डॉ. चौकलता प्रदीप अग्रवाल के रूप में उपस्थित रहे। इस बैठक में सभी अंचलों और राज्य/प्रदेश नगर समितियों के राजभाषा विभाग कार्यों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर प्रमुख कार्यलय द्वारा साराण्य एवं विभिन्न अधिकारियों के विचार-वार्ता भी आयोजित किया गया। बैठक में कार्यपालक निदेशक श्री अजय के सुनील के अलावा प्रमुख श्री योगेश डी भुटिया, प्रमुख-राजभाषा एवं संवैधानिक समिति श्री संजय सिंह, निदेशक एच महानिदेशक श्री अरु के मंडोली, भुवनेश्वर अरु के अतिथि प्रमुख श्री राजीव कुमार अग्रवाल प्रमुख-भारतीय (राजभाषा एवं संवैधानिक समिति) श्री सुनील कुमार मिश्र उपस्थित रहे।

सेमिनार एवं संगोष्ठी



बैंक के समन्वय में कार्यरत नगर राजभाषा समितियां

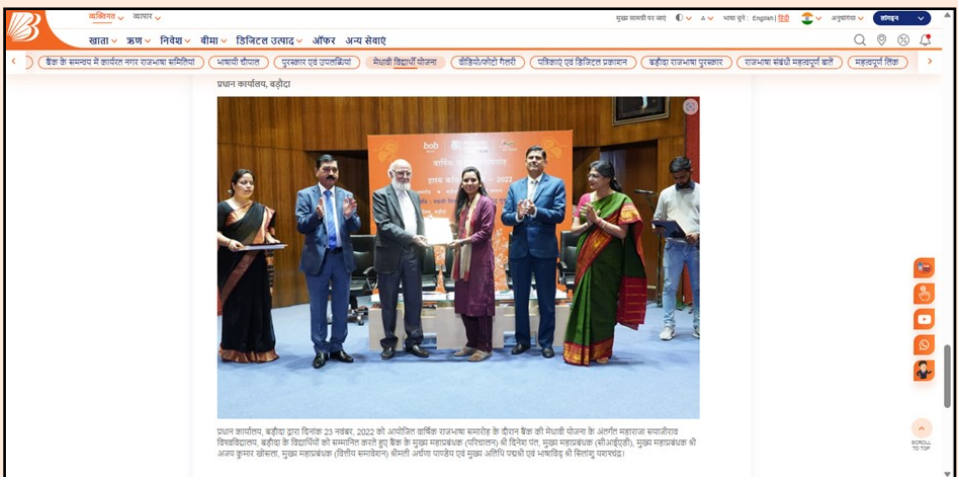
बैंक के संयोजन में देशभर में 29 नगर समितियां कार्यरत है वेबपेज पर इन नगर समितियों के संबंध में विवरण उपलब्ध कराया गया है।



बैंक के समन्वय में कार्यरत नगर राजभाषा समितियां

बैंक के समन्वय में कार्यरत नगर राजभाषा समितियों का नाम

क्र. सं.	बैंक के समन्वय में कार्यरत नगर	कार्यरत कोश	संबंधित कार्यरत का नाम
1	बड़ौदा	84	प्रधान कार्यरत, बड़ौदा
2	जयपुर अंचल	58	अंचल कार्यरत, जयपुर
3	बोरोली	206	अंचल कार्यरत, बोरोली
4	फरीदपुर क्षेत्र	83	क्षेत्रीय कार्यरत, फरीदपुर
5	राजकोट अंचल	296	अंचल कार्यरत, राजकोट
6	जोधपुर क्षेत्र	212	क्षेत्रीय कार्यरत, जोधपुर
7	जालंधर क्षेत्र	17	क्षेत्रीय कार्यरत, जालंधर
8	वाराणसी क्षेत्र	99	क्षेत्रीय कार्यरत, वाराणसी
9	फैजाबाद क्षेत्र	302	क्षेत्रीय कार्यरत, फैजाबाद

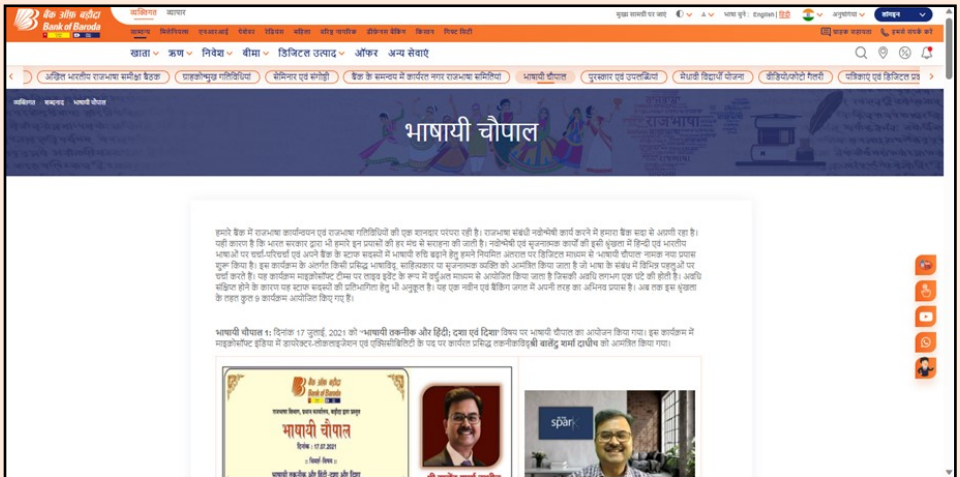


प्रधान कार्यरत, बड़ौदा

प्रधान कार्यरत, बड़ौदा द्वारा दिनांक 23 नवंबर, 2022 को आयोजित सर्वांगीण राजभाषा समन्वय के दौरान बैंक के मैगज़ीन कोश के अंगरंग महाराज कार्यालय विरासतिया, बड़ौदा के विद्यार्थियों को समर्पित करती हुई बैंक के प्रमुख महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री विवेक पल, प्रमुख महाप्रबंधक (सी.आई.टी.) प्रमुख महाप्रबंधक (सी.एन.ए.ए.) प्रमुख महाप्रबंधक (सी.एन.ए.ए.) प्रमुख महाप्रबंधक (वित्तिय समावेदन) श्रीमती अर्चना पाण्डेय एवं मुख्य अतिथि पदवी एवं श्यामकि श्री विनय पाण्डेय।

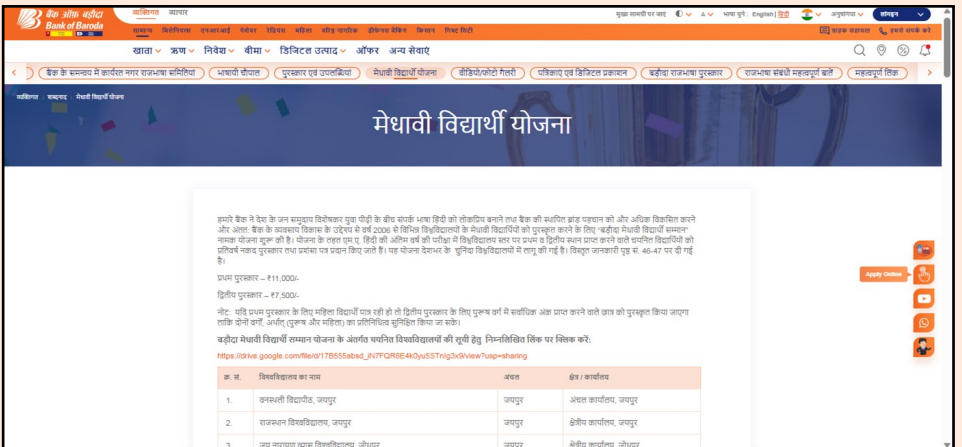
बैंक द्वारा आयोजित भाषायी चौपाल संबंधी टैब

नवोन्मेषी एवं सृजनात्मक कार्यों की श्रृंखला में हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं पर चर्चा-परिचर्चा एवं बैंक के स्टाफ सदस्यों में भाषायी रुचि बढ़ाने हेतु बैंक द्वारा नियमित अंतराल पर डिजिटल माध्यम से ‘भाषायी चौपाल’ नामक नया प्रयास शुरू किया है। वेबपेज पर भाषाई चौपाल का विवरण सभी भाषाई चौपाल संबंधी विवरण भी संरक्षित हैं।



बैंक की मेधावी विद्यार्थी योजना संबंधी टैब

बैंक ने देश के जन समुदाय विशेषकर युवा पीढ़ी के बीच संपर्क भाषा हिंदी को लोकप्रिय बनाने तथा बैंक की स्थापित ब्रांड पहचान को और अधिक विकसित करने और अंततः बैंक के व्यवसाय विकास के उद्देश्य से वर्ष 2006 से विभिन्न विश्वविद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने के लिए “बड़ौदा मेधावी विद्यार्थी प्रोत्साहन” नामक योजना शुरू की है। टैब के अंतर्गत इस योजना के संबंध में जानकारी संग्रहीत की गई है।



मेधावी विद्यार्थी योजना

बैंक ने देश के जन समुदाय विशेषकर युवा पीढ़ी के बीच संपर्क भाषा हिंदी को लोकप्रिय बनाने तथा बैंक की स्थापित ब्रांड पहचान को और अधिक विकसित करने और अंततः बैंक के व्यवसाय विकास के उद्देश्य से वर्ष 2006 से विभिन्न विश्वविद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने के लिए “बड़ौदा मेधावी विद्यार्थी प्रोत्साहन” नामक योजना शुरू की है। योजना के तहत एक ए. डिग्री को अंतिम वर्ष की परीक्षा में विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले पराजित विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष नगद पुरस्कार तथा प्रथम व प्रथम स्थिति वाले हैं। यह योजना देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों में लागू की गई है। विस्तृत जानकारी पृष्ठ सं. 46-47 पर दी गई है।

प्रथम पुरस्कार – ₹11,000/-
द्वितीय पुरस्कार – ₹7,500/-

नोट: यदि प्रथम पुरस्कार के लिए महिला विद्यार्थी एक नहीं हो तो द्वितीय पुरस्कार के लिए प्रथम वर्ष में स्थायिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र को पुरस्कृत किया जाएगा यदि दोनों वर्गों, अर्थात् (दुर्गम और महिला) का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके।

बड़ौदा मेधावी विद्यार्थी सम्मान योजना के अंतर्गत पराजित विद्यार्थियों की सूची हेतु निम्नलिखित लिंक पर क्लिक करें:

https://drive.google.com/file/d/17B555abnd_N7YQR9E4h0yU5Tmg3d9/view?usp=sharing

क्र.सं.	विश्वविद्यालय का नाम	अवधि	क्षेत्र / कार्यालय
1.	डबलसी विद्यापीठ, जयपुर	जयपुर	अंतर कार्यालय, जयपुर
2.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर	जयपुर	क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर
3.	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, जोधपुर	जोधपुर	क्षेत्रीय कार्यालय, जोधपुर



मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह
कोयंबटूर कार्यालय, मुंबई



कोयंबटूर कार्यालय, मुंबई में आयोजित वार्षिक राजभाषा समारोह के दौरान मुंबई विश्वविद्यालय के वर्ष 2020-21 की एम. ए. (हिंदी) की अंतिम वर्ष की परीक्षा में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुंबई अंतर्गत पराजित वर्गों तथा प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले पराजित विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष नगद पुरस्कार तथा प्रथम स्थिति वाले हैं। यह योजना देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों में लागू की गई है। विस्तृत जानकारी पृष्ठ सं. 46-47 पर दी गई है।

“हृदय की कोई भाषा नहीं है, हृदय-हृदय से
बातचीत करता है और हिंदी हृदय की भाषा है।”

- महात्मा गांधी

“हिंदी हमारे देश और भाषा की प्रभावशाली
विरासत है।” - माखनलाल चतुर्वेदी

“कैसे निज सोए भाग को कोई सकता है जगा,
निज भाषा-अनुराग का अगर अंकुर नहीं उर में
उगा।” - हरिऔध

“जिस देश को अपनी भाषा और साहित्य के गौरव
का अनुभव नहीं है, वह उन्नत नहीं हो सकता”

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

हमारे साथ व्हाट्सएप पर जुड़ें!

विभिन्न बैंकिंग सेवाओं के आसान उपयोग के लिए हमसे चैट करें.



शेयरशि की पूछताछ



लघु विवरणी



चेकबुक अनुरोध



चेक की स्थिति



डेबिट कार्ड ब्लॉक करना



ऑफर्स एवं अन्य आकर्षण



सेवा प्रारंभ
करने के लिए
अपने पंजीकृत मोबाइल नं से
'Hi' लिखकर
84 33 888 777
पर भेजें



जुड़ने के लिए स्कैन करें